विद्या भारती संकुल संवाद

सितम्बर 2025
भाद्रपद – आश्विन
विक्रमी संवत 2082

"सा विद्या या विमुक्तये"

अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक-2025

विशेष

- पंचपदी अधिगम पद्धति अभ्यास कार्यशाला
- अखिल भारतीय शैक्षिक कार्यशाला, जबलपुर
- अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता
- आध्यात्मिक संगठनों की शैक्षिक संगोष्ठी
- पूर्व छात्र बारकोड के माध्यम से पंजीकरण
- पूर्व छात्र निषाद कुमार ने प्राप्त किया स्वर्ण पदक
- पूर्व छात्र डॉ. दीनबन्धु विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की स्टैनफोर्ड सूची 2025 में शामिल

राजस्थान क्षेत्र

विद्या भारती अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक

माउंट आबू | विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी की अध्यक्षता में 12 से 14 सितम्बर तक आदर्श विद्या मन्दिर, शंकर विद्यापीठ, आबू पर्वत (राजस्थान) में सम्पन्न हुई।

शिक्षा केन्द्रों का कार्य सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बने

बैठक के प्रारंभिक उद्बोधन में संगठन मंत्री श्री गोविन्द महन्त जी ने कहा कि देशभर में चल रहे औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों का कार्य सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बने, इस पर विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि—

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन को गति देना प्राथमिकता है।
- संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत निर्धारित कार्यों को समय पर सम्पन्न करना चाहिए।
- प्रत्येक आयाम को अद्यतन बनाए रखना हमारी सतत प्रक्रिया होनी चाहिए।
- आधारभूत विषयों के अद्यतन पाठ्यक्रम को सभी के सहयोग से प्रभावी ढंग से लागू करने की योजना बने।

विद्यालय के बच्चे प्रेमपूर्ण, सहयोगी और चुनौतियों का सामना करने वाले बनें

सह-सरकार्यवाह माननीय डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि विद्या भारती का अभियान देश के 86 प्रतिशत जिलों तक पहुँच चुका है — यह एक अत्यंत व्यापक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि—

- प्रत्येक खंड तक कार्य पहुँचे, इसके लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।
- लगभग 13,000 विद्यालयों, 40 लाख पूर्व छात्रों और डेढ़ से दो करोड़ परिवारों के माध्यम से विशेष संस्कार और विचार देश के विशाल समूह तक पहुँच रहे हैं।
- भारत का ध्येय आध्यात्मिक है — सबको दिशा देने का मार्ग भारत के पास है।
- पंचकोश की संकल्पना अत्यंत महत्वपूर्ण है; आनन्दमय कोश का विकास केवल अध्यात्म से ही संभव है।
- हमारे आचार्य कथा, कहानी और प्रसंगों के माध्यम से अध्यात्म का ज्ञान दें।
- विद्यालय के बच्चे प्रेमपूर्ण, सहयोगी और चुनौतियों का सामना करने वाले बनें, इस दिशा में विशेष प्रयास करें।

शिक्षा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है

मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी स्वयं प्रकाश गिरि जी महाराज ने कहा कि—

- अन्नमय और प्राणमय कोश के विकास के लिए योग का उद्भव हुआ।
- मन और बुद्धि में धार्मिकता का पूर्ण बल होने पर ही हम आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।
- पंचकोश का उल्लेख वेदों में किया गया है; वेद द्वारा प्रतिपादित धर्म के पालन के बिना आध्यात्मिक मार्ग संभव नहीं है।
- शिक्षा का मापदंड केवल ज्ञान नहीं, बल्कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता होना चाहिए।
- शिक्षा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है - मंत्रों के अर्थ को समझकर उसी अनुरूप जीवन आचरण बनाना ही वास्तविक शिक्षा है।

आगे जारी...

पुस्तक विमोचन

बैठक के दौरान निम्न पुस्तकों का विमोचन किया गया—

- हमारे कार्य की दिशा
- सप्तशक्ति संगम विवरणिका
- ज्ञान की बात
- The Woman Scientist – Indian Space Research Organisation
- Panchakosha in School Education (NEP-2020)

संख्यात्मक वृत्त (सत्र 2025–26)

- कुल विद्यालय: 12,068
  - स्वतंत्र शिशु वाटिका – 543
  - प्राथमिक – 3,159
  - पूर्व माध्यमिक – 4,672
  - माध्यमिक – 2,228
  - वरिष्ठ माध्यमिक – 1,466
- कुल छात्र संख्या: 33,32,774
- आचार्य संख्या: 1,52,624

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र:

- सरस्वती संस्कार केन्द्र – 4,474
- संस्कार केन्द्र – 5,704

महत्वपूर्ण निर्णय और योजनाएँ

1. संस्कार केन्द्र एवं एकल विद्यालयों की वृद्धि

- आगामी सत्र के लिए छात्र संख्या लक्ष्य तय कर प्रांतवार रणनीति बनाई जाएगी।
- संस्कार केन्द्रों और एकल विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

2. सरस्वती शिक्षा केन्द्र

- सीमा और जनजाति क्षेत्रों में शिक्षा विस्तार के लिए 10,000 सरस्वती शिक्षा केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य।

3. शैक्षिक परिषद्

- पिछड़े छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स और प्रतिभाशाली छात्रों को अतिरिक्त समय।
- विद्यालयों में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य।

4. सप्तशक्ति संगम

- बसंत पंचमी (23 जनवरी 2026) तक चलेगा आयोजन।
- 30,000 कार्यक्रमों और 3 करोड़ लोगों तक पहुँच का लक्ष्य।

5. शोध एवं नवाचार

- भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े 500 विषयों पर शोध कार्य।
- 50 लाख रुपये का बजट आवंटन।
- शिक्षकों के लिए लघु शोध परियोजनाएँ (3 माह अवधि)।

6. डिजिटल एवं अंग्रेजी प्रशिक्षण केन्द्र

- प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।
- वर्तमान में कटक और उज्जैन में केन्द्र कार्यरत हैं।
- English Training Centres नोएडा, कुरुक्षेत्र, जयपुर, कटक, पटना, भागलपुर व उज्जैन में स्थापित किए गए हैं।

7. आर्थिक प्रबंधन

- केंद्रीय स्तर पर आंतरिक अंकेक्षण टोली का गठन।
- अधिशेष आय ₹3.30 करोड़ को भवन निर्माण, परिसंपत्ति विकास एवं जनहितकारी कार्यों हेतु संचित किया जाएगा।

8. प्रचार-प्रसार एवं अभिलेखागार

- प्रत्येक प्रांत में संवाद केन्द्र एवं प्रचार-प्रसार प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे।
- पूर्व छात्रों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

9. कौशल विकास

- सरकारी पोर्टल SIDH पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया।

आगे जारी...

- विद्यालयों में कोडिंग से लेकर कृषि उद्यमिता तक के कौशल विषय प्रारंभ किए जाएंगे।
- 10. अभिभावक सम्पर्क
- अभिभावक सम्पर्क में जीवन्तता और निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है।
- गृह सम्पर्क, कक्षा-वार बैठकें और ऑनलाइन परिवार प्रबोधन जैसे प्रयासों को बढ़ावा दिया जाएगा।

समावेशी शिक्षा और सामाजिक एकता

सभी मत, पंथ, जाति, क्षेत्र और आर्थिक वर्गों के विद्यार्थियों को विद्यालयों में शामिल करने पर बल दिया गया, ताकि विद्यालय “लघु भारत” के रूप में उभरें।

आगामी कार्यक्रम और घोष

- Jio के साथ डिजिटलीकरण हेतु MoU किया जाएगा।
- विद्या भारती के सभी क्षेत्रीय ईमेल @vidyabharti डोमेन से बनाए जाएंगे।
- NCERT पुस्तकों में प्रांतीय सामग्री जोड़ने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।
- वीर बाल दिवस (26 दिसम्बर), जनजाति गौरव दिवस (15 नवम्बर) एवं गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस के आयोजन सुनिश्चित किए जाएंगे।
- प्रत्येक विद्यालय में न्यूनतम एक घोष दल का गठन किया जाएगा।

श्रद्धांजलि

महामंत्री द्वारा संगठन के दिवंगत कार्यकर्ताओं -श्री ब्रह्मानन्द जी यादव (महाकोशल), श्री चिन्तामणि जी (काशी), श्री प्रफुल्लचन्द्र महन्त (ओडिशा), श्री माणिकचन्द्र जी (राजस्थान), श्री मानेश्वर जी (गुवाहटी), श्रद्धेय प्रमिला ताई तथा उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, पहलगाम व अन्य क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा से दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र की शैक्षिक संगोष्ठी

नई दिल्ली । विद्या भारती उत्तर क्षेत्र ने एकदिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन तेरापंथ भवन, छत्तरपुर, दिल्ली में किया। पूज्य साध्वी अमृता दीदी एवं डॉ. कुंदन रेखा जी ने अपने आशीर्वचन में भारतीय संस्कृति के जागरण व सनातन परंपराओं के बोध हेतु प्रेरित किया।
नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति राम बरन यादव जी ने प्राचीन भारतीय गुरुकुल शिक्षा पद्धति की उपयोगिता और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे। विद्या भारती के उपाध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव जी ने कहा कि सभी संस्थानों का दायित्व है कि मिलकर नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में सहयोग करें और भारत - केंद्रित शिक्षा के माध्यम से देश को नई दिशा प्रदान करें। विद्या भारती के महामंत्री देशराज शर्मा जी ने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आचार्यों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया। चिन्मय मिशन की अम्मा जी ने वैदिक संस्कृति को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
संगोष्ठी में विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्रीराम जी आरावकर, उत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष सुखराज सेठिया जी, संगठन मंत्री विजय नड्डा जी, महामंत्री श्री दिलाराम चौहान, दिल्ली प्रांत के महामंत्री डॉ. सतीश महेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

पंचपदी अधिगम पद्धति अभ्यास कार्यशाला

भारतीय शिक्षा दर्शन पर आधारित है पंचपदी शिक्षण पद्धतिः डी. रामकृष्ण राव

गोरखपुर। विद्या भारती द्वारा दो दिवसीय “पंचपदी अधिगम पद्धति अभ्यास कार्यशाला” का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में किया गया। कार्यशाला में दो क्षेत्रों पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर पूर्व क्षेत्र (बिहार, झारखण्ड) के चयनित प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर विद्या भारती के उपाध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव ने कहा कि पंचपदी अधिगम पद्धति, एक अभिनव और वैज्ञानिक शिक्षण विधि है, जो भारतीय शिक्षा दर्शन और मनोविज्ञान पर आधारित है। यह पद्धति छात्रों को निष्क्रिय श्रोता से सक्रिय भागीदार बनाने पर केंद्रित है, जिससे स्थायी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल, रचनात्मकता और समाज-सेवा की भावना का विकास होता है। पंचपदी अधिगम पद्धति पांच चरणों में अधिगम को संरचित करती है, जो जांच-आधारित शिक्षण पर आधारित है और विशेष रूप से STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) विषयों के साथ सामान्य शिक्षण में भी प्रभावी है।

विद्या भारती के संगठन मंत्री गोविन्द चन्द्र महंत जी ने कहा कि पंचपदी पद्धति प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 में इसे भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित और जीवनमूल्य-आधारित शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। यह पद्धति छात्रों के पंचकोशात्मक विकास अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश, आनन्दमय कोश (शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक) विकास को बढ़ावा देती है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव होता है। विद्या भारती के विद्यालयों में पंचपदी शिक्षण पद्धति को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। शिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से इसके लिए तैयार किया जा रहा है। इससे पूर्व अतिथियों का परिचय राम सिंह जी प्रदेश निरीक्षक शिशु शिक्षा समिति, गोरक्ष प्रान्त ने कराया।

आभार ज्ञापन डॉ. शैलेश कुमार सिंह प्रांतीय मंत्री विद्या भारती गोरक्ष प्रांत ने और संचालन गोविन्द सिंह प्रान्त प्रशिक्षण प्रमुख ने किया। इस अवसर पर हेमचंद्र जी क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र, प्रो. रामदरस राय अध्यक्ष विद्या भारती गोरक्ष प्रांत, दिनेश सिंह क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख, कमलेश सिंह सह क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख, जियालाल जी प्रदेश निरीक्षक जन शिक्षा समिति गोरक्ष प्रान्त, कन्हैया चौबे संभाग निरीक्षक और प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

मध्य क्षेत्र

अखिल भारतीय शैक्षिक कार्यशाला, जबलपुर

शिक्षा को अधिक सृजनात्मक, व्यवहारिक और मूल्यनिष्ठ बनाने का संकल्प

जबलपुर(मध्य प्रदेश)। विद्या भारती की प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं सेकेंडरी समूह की अखिल भारतीय कार्यशाला 30 अगस्त से 1 सितम्बर तक जबलपुर में आयोजित की गई।

कार्यशाला में 13 शैक्षिक सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन, 21वीं सदी के कौशल, पंचपदी पाठयोजना, पंचमुखी एवं समग्र विकास, बाल एवं किशोर मनोविज्ञान, व्यक्तित्व विकास, विद्या भारती का लक्ष्य, कक्षा प्रबंधन, शिक्षक दैनन्दिनी, शिक्षण सहायक सामग्री, गतिविधि एवं प्रयोग आधारित अधिगम, पोर्टफोलियो निर्माण, मूल्यांकन पद्धति और कॉपी निरीक्षण आदि पर विचार-मंथन किया गया। इसके साथ ही आगामी शैक्षिक सत्र के लिए कार्ययोजना निर्धारित की गई और संकल्प लिया गया कि विद्या भारती के विद्यालयों में शिक्षा को और अधिक सृजनात्मक, व्यवहारिक व मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता मिलकर कार्य करेंगे।

कार्यशाला में 9 क्षेत्रों (पश्चिम एवं दक्षिण क्षेत्र को छोड़कर) 35 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें तीनों समूहों के क्षेत्र संयोजक एवं सह संयोजक 30, अखिल भारतीय संयोजक 2, विषय प्रभारी 2 एवं एक विषय प्रस्तोता शामिल थे।

शिक्षक दिवस पर मेधावियों का सम्मान व छात्रवृत्ति वितरण

प्रयागराज | ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, गंगापुरी रसूलाबाद में शिक्षक दिवस के अवसर पर बोर्ड परीक्षा 2025 के मेधावियों का सम्मान और स्वर्गीय चन्द्रन बहादुर स्मृति छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. कल्पना सहाय (संरक्षिका, संस्कार भारती काशी प्रांत) और विशिष्ट अतिथि सुश्री सुरुचि चन्द्रन बहादुर (अधिवक्ता, इलाहाबाद उच्च न्यायालय) रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शेषधर द्विवेदी (प्रदेश निरीक्षक, भारतीय शिक्षा समिति काशी प्रांत) ने की।

इस अवसर पर 12वीं के विद्यार्थियों यश स्वरूप और स्वप्निल सिंह को ₹22,000-₹22,000 की चन्द्रन बहादुर स्मृति छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में अतिथियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन गीत, विचार व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भावपूर्ण वातावरण में हुआ।

पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र

भवन का शिलान्यास

सुयोग्य नागरिक तैयार करने का केन्द्र बनेगा बसहवां का सरस्वती विद्या मंदिर: योगी आदित्यनाथ

बस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग के नए परिसर सरस्वती विद्या मंदिर, बसहवां के प्रस्तावित भवन का शिलान्यास किया। बढ़ती हुई छात्र संख्या को देखते हुए यह नया परिसर शहर से बाहर शांत वातावरण में स्थापित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने भूमि पूजन के साथ हरिशंकरी पौधे का भी रोपण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही किसी राष्ट्र की शक्ति, आत्मनिर्भरता और समृद्धि का आधार है। विद्या भारती के विद्यालय भारतीय पद्धति पर आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों में कर्तव्यबोध और राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत कर रहे हैं। यह केवल विद्यालय का शिलान्यास नहीं, बल्कि भारत को सुयोग्य नागरिक देने के लिए एक नए केन्द्र की स्थापना है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1952 में गोरखपुर से पांच छात्रों के साथ शुरू हुई सरस्वती शिशु मंदिर की यह यात्रा आज 12 हजार से अधिक विद्यालयों तक पहुच गई है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और पंच प्रण का उल्लेख करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास और पर्यावरण को समग्र विकास का मुख्य आधार बताया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापन किया।

उत्तर पूर्व क्षेत्र

अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता

पश्चिमी उत्तर प्रदेश ओवरआल चैम्पियन

धनबाद। सरस्वती विद्या मंदिर भूली में 36वीं अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में पश्चिमी उत्तर प्रदेश ओवरआल प्रथम, बिहार क्षेत्र जिसमें झारखंड प्रदेश भी आता है द्वितीय और पूर्वोत्तर क्षेत्र तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिताएं अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 कैटेगरी में बालक एवं बालिका वर्गों में आयोजित की गई। सभी कैटेगरी से गोल्ड मेडल जीतने वाले विद्यार्थी एसजीएफआई के लिए चयनित हो गए हैं।

महावीरी सरस्वती विद्या मन्दिर, विजयहाता, सीवान की बहन ज्योति कुमारी ने तरुण वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त करएसजीएफआई में स्थान प्राप्त किया है।

विजेता विद्यार्थियों को धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। विद्या भारती अखिल भारतीय खेल परिषद के सचिव कृपा शंकर शर्मा जी, विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव नकुल कुमार शर्मा, विद्या भारती ताइक्वांडो खेल पर्यवेक्षक कैलाश धनगर आदि मौजूद रहे।

पंचपदी अधिगम पाठ योजना निर्माण कार्यशाला

मध्य क्षेत्र

स्वयं का सतत विकास करें शिक्षकः यतींद्र शर्मा जी

बैतूल । ग्राम भारती शिक्षा समिति, मध्य भारत प्रांत, भोपाल ने पंचपदी अधिगम आधारित पाठ योजना निर्माण के लिए संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन भारत भारती, बैतूल में किया।

कार्यशाला में यतींद्र शर्मा जी सह संगठन मंत्री विद्या भारती ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों के शिक्षण कौशल विकास को विशेष महत्व दिया गया है। पंचपदी शिक्षण पद्धति भारतीय परंपरा की मौलिक एवं प्रभावी पद्धति है। जब विश्व में शिक्षा व्यवस्था का कोई सुविचारित स्वरूप नहीं था, उस समय भारत में उत्कृष्ट गुरु-कुल प्रणाली संचालित होती थी। यह पद्धति केवल ज्ञानार्जन ही नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध, नागरिक बोध, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास का भी साधन थी।

यतींद्र जी ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को स्वयं का सतत विकास करना चाहिए, तभी वह विद्यार्थियों के विकास में सफल हो सकेगा। कक्षा को रोचक और जीवंत बनाने की जिम्मेदारी शिक्षक की कुशलता पर निर्भर है। समूह आधारित शिक्षण, बालक के साथ आत्मीय जुड़ाव तथा पाठ्य योजना का सुव्यवस्थित प्रयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर निखिलेश महेश्वरी जी प्रांत संगठन मंत्री, सुजीत शर्मा प्रांत अध्यक्ष, वीरेन्द्र सेंगर प्रांत सचिव, राजेन्द्र परमार प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छ सागर-सुरक्षित सागर अभियान

दक्षिण मध्य क्षेत्र

विद्या भारती आंध्र प्रदेश से संबद्ध समितियां लगभग सभी तटीय जिलों में सामान्य और एकल विद्यालय चला रही हैं। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विद्या भारती आंध्र प्रदेश ने 20 सितंबर 2025 को 98 गांवों में स्वच्छ सागर-सुरक्षित सागर अभियान चलाया और समुद्र तटों से 68 क्विंटल कचरा साफ़ किया गया।

इस पहल में छात्रों, शिक्षकों, प्रबंधन सदस्यों और स्थानीय समुदायों की व्यापक भागीदारी रही। इस दौरान तटीय क्षेत्र के किनारे कचरा साफ करने के लिए समुद्र तट सफाई अभियान चलाया गया। इस के साथ ही तटीय गांवों में जीवनशैली और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए जागरूकता रैलियां और कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरणीय स्थिरता, स्वच्छ तटों और समुद्री जीवन की रक्षा के लिए प्रदूषणमुक्त समुद्रों को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक प्रयास किए जा रहे हैं।

विद्या भारती आंध्र प्रदेश का यह प्रयास तटीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, समुद्री सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आध्यात्मिक संगठनों की शैक्षिक संगोष्ठी

मध्य क्षेत्र

भोपाल । विद्या भारती मध्य क्षेत्र की शैक्षिक एवं आध्यात्मिक संगठनों की एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन महर्षि वैदिक सांस्कृतिक केंद्र, अरेरा कॉलोनी में किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा के प्रसार का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मा.ब्रह्मचारी गिरीश जी प्रमुख, महर्षि महेश योगी संस्थान, डॉ. रविंद्र जी कान्हेरे अध्यक्ष, विद्या भारती, मा. दूसि रामकृष्ण राव उपाध्यक्ष, विद्या भारती एवं 23 अन्य आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

वार्षिक साधारण सभा

मध्य क्षेत्र

बैतूल | विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के प्रकल्प भारत भारती जामठी बैतूल की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन मा. सुरेश जी सोनी अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता भारत भारती शिक्षा समिति के सुजीत शर्मा जी ने की। इस दौरान सीबीएसई विद्यालय, राज्य बोर्ड विद्यालय, आईटीआई, छात्रावास, चिकित्सालय, गौशाला, जैविक खेती, सामुदायिक रेडियो का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर यतींद्र जी शर्मा, श्रीराम जी आरावकर सह संगठन मंत्री, सदानंद जी सप्रे प्रज्ञा प्रवाह, निखिलेश जी माहेश्वरी, अनिल जी अग्रवाल. मोहन जी गुप्ता, मोहन जी नागर, बुधपाल सिंह, डॉ. रामकुमार भावसार आदि उपस्थित रहे।

स्वर्ण प्राशन संस्कार

विद्या भारती-शिशु वाटिका के कक्षा अरुण, उदय, प्रभात के बच्चों का स्वर्ण प्राशन संस्कार कराया गया। स्वर्ण प्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक संस्कार है जिसमें बच्चों को शहद और स्वर्ण के साथ मिलाकर एक विशेष मिश्रण दिया जाता है। यह संस्कार बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने, रोगों से बचाव, बुद्धि और स्मृति को तेज करने के लिए किया जाता है।

विद्या भारती पूर्व छात्र पंजीकरण अभियान

पूर्व छात्र परिषद ने, राष्ट्रव्यापी पूर्व छात्र संपर्क अभियान प्रारंभ किया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री देशराज जी शर्मा ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व छात्र अपना परिवार है। परिवार को जोड़ने का यह अभियान सतत चलना चाहिए। आप सभी पूर्व छात्र निचे दिए गए लिंक से और **QR Code** के माध्यम से भी जुड सकते हैं।

https://docs.google.com/.../1FAIpQLSctmq6.../viewform
राष्ट्रीय महामंत्री श्री देशराज जी का उद्बोधन आप यहां सुन सकते हैं:-
https://www.facebook.com/share/v/1BMhxnkuKV/

QR Code

उपलब्धियां

पूर्व छात्र निषाद कुमार ने प्राप्त किया स्वर्ण पदक

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 में विद्या भारती हिमाचल के विद्यालय सरस्वती विद्या मन्दिर कटौहड़ खुर्द जिला ऊना के पूर्व छात्र निषाद कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
पुरुषों की ऊँची कूद T-47 श्रेणी में 2.14 मीटर की शानदार छलांग लगाकर एशियाई रिकॉर्ड बनाया।

पूर्व छात्र डॉ. दीनबन्धु विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की स्टैनफोर्ड सूची 2025 में शामिल

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र के अपने पूर्व छात्रावासी छात्र डा. दीन बन्धु पटना (बिहार) ने एल्सवेयर / स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिक के सूची 2025 में स्थान बनाया है।
डॉ. दीन बन्धु वर्तमान मे गलगोटिया यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के रिसर्च प्रोफेसर है।

विद्या भारती जे.के.एल. को पुरस्कार

जम्मू । लीड्स इम्पैक्ट कॉन्क्लेव में विद्या भारती जे.के.एल. को लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल कविन्द्र गुप्ता जी ने प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया और सतत व समावेशी विकास का आह्वान किया।
सम्मेलन की सराहना करते हुए माननीय उपराज्यपाल ने कहा कि इस तरह के मंच लद्दाख की प्रगति के लिए नागरिकों, गैर सरकारी संगठनों, व्यवसायियों और संस्थानों को एकजुट करते हैं।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

www.vidyabharti.net । www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com । vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

@VidyaBharatiIN